Nav Bharat (Indore), 10th September 2026, Page – 03

आश्चर्य | उज्जैन में सड़क बनाने के लिए प्रशासन ने प्रचीन खड़े हनुमान मंदिर को तोड़ा, लेकिन प्रतिमा नहीं हटी

आईआईटी की टीम पहुंची अंजनी के लाल का रहस्य जानने

नवभारत न्यूज़

उज्जैन. सिंहस्थ 2028 के लिए हो रहे सड़क चौड़ीकरण के बीच प्राचीन खड़े हनुमान मंदिर की प्रतिमा को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है. मंदिर का ढांचा हटाया जा चुका है, जबकि प्रतिमा अपनी जगह पर कायम है.

मामले में आईआईटी इंदौर के विशेषज्ञों ने उज्जैन पहुंचकर करीब दो घंटे तक प्रतिमा की तकनीकी जांच की. टीम ने अपने साथ लाए उपकरणों के माध्यम से प्रतिमा की संरचना और गहराई

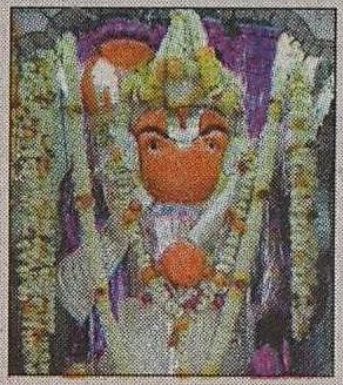

का परीक्षण किया. प्रशासन अब विशेषज्ञों की वैज्ञानिक एवं तकनीकी रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है. इसके बाद ही प्रतिमा के संबंध में आगे कोई निर्णय लिया जाएगा. उज्जैन नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के अनुसार, विशेषज्ञों की राय ली जा रही है. आईआईटी इंदौर से जांच कराई गई है और एएसआई व आईआईटी की रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी.

15 मीटर चौड़ी होगी सड़क: सिंहस्थ 2028 को देखते हुए कोयला फाटक से कंठाल सती गेट होते हुए छत्री चौक तक करीब 1.13 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण किया जा रहा है. करीब 15 करोड़ रुपये की लागत वाले इस प्रोजेक्ट में सड़क को लगभग 15 मीटर चौड़ा किया जाना है. मार्ग में चार धार्मिक स्थल प्रभावित हो रहे हैं, जिनमें से तीन का व्यवस्थापन किया जा चुका है. प्रशासन ने कहा है कि सिंहस्थ के विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन उज्जैन की धार्मिक आस्था और विरासत का संरक्षण भी सर्वोच्च प्राथमिकता है. विशेषज्ञों, संत समाज और श्रद्धालुओं से संवाद के बाद सर्वसम्मत समाधान निकाला जाएगा. विशेषज्ञों की वैज्ञानिक राय मिलने तक प्रतिमा के विस्थापन की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी.

श्रद्धालु मान रहे चमत्कार

प्रतिमा को लेकर स्थानीय लोगों में गहरी आस्था है. सोशल मीडिया पर प्रतिमा के नहीं हटने को हनुमानजी का चमत्कार बताया जा रहा है. मंदिर के आसपास श्रद्धालुओं की भीड़ जुट रही है. लोग टेंट लगाकर भजन-कीर्तन और पूजा-अर्चना कर रहे हैं. महाकाल दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु भी खड़े हनुमान के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार, विभिन्न समुदायों के लोग भी यहां आस्था रखते हैं और मन्नत मांगने आते हैं.